प्रेस नोट

दमन साइबर पुलिस ने फर्जी पासपोर्ट और फर्जी वीजा पर दिल्ली मे रहने वाले नाइजीरियन नागरिक द्वारा संचालित इंटरनेशनल साइबर फ्रॉड रैकेट का पर्दाफाश किया

संक्षिप्त: एक वर्ष के बाद शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके फेसबुक अकाउंट पर फिलिप नाम के एक व्यक्ति से एक मित्र अनुरोध प्राप्त हुआ था जिसके बाद उन्होने आपस मे फेसबुक और व्हाट्सएप पर बाते करना शुरू कर दिया था। कुछ दिनों बाद उस व्यक्ति ने कहा कि उसने शिकायतकर्ता के लिए एक महंगा उपहार भेजा है जिसकी कीमत 1 करोड़ 39 लाख रुपये है। अगले दिन शिकायतकर्ता को कस्टम अधिकारी का फोन आया कि उपहार बहुत महंगे हैं। इसलिए उसे कस्टम क्लीयरेंस के लिए पैसे भेजने पड़ेंगे इसके बाद शिकायतकर्ता ने 10 लाख रुपये भेजे लेकिन उसे कभी कोई उपहार नहीं मिला। शिकायतकर्ता की शिकायत पर नानी दमन पुलिस स्टेशन मे अपराध संख्या 33/2022 u/s 420, 406 r/w 34 IPC दर्ज की गई।

जांच: संदिग्ध बैंक खातों के बैंक विवरण के विश्लेषण के दौरान बैंक खातों के स्तरित नेटवर्क के एक व्यापक जाल की पहचान की गई और यह पाया गया कि नई दिल्ली में मोहन गार्डन, उत्तम नगर, महावीर एन्क्लेव और चंदर विहार के विभिन्न क्षेत्रों के कई एटीएम से पैसे निकाले जा रहे थे।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान और एक अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़:-

आरोपी बेसिल एडेके ओडिनिकपो (उमुदियोरा निवासी नाइजीरियन नागरिक) को कूरियर प्राप्त करते समय रंगे हाथों पकड़ा गया, जिसमें 02 नेपाल बैंक एटीएम कार्ड और एक अंतरराष्ट्रीय सिम कार्ड है।

बरामद सामान :-

1. 12 डेबिट एटीएम कार्ड (2 इंटरनेशनल डेबिट कार्ड)
2. 14 सिम कार्ड (2 इंटरनेशनल सिम कार्ड)
3. 12 मोबाइल फोन
4. 6 डोंगल।
5. 1 एचडीएफसी बैंक चेक बुक।
6. 1 एक्सिस बैंक पास बुक।

कार्य प्रणाली :-

- आरोपी बेसिल एडेके ओडिनिकपो ने खुलासा किया कि वे सोशल मीडिया यानी फेसबुक, व्हाट्सएप आदि पर दोस्त बनाते हैं।
- महंगे उपहार देकर व्यक्ति को लुभाते थे और उनके एटीएम कार्ड और बैंक खाते का विवरण पूछते थे।
- पैसे निकालने के लिए इन बैंक खातों और एटीएम का उपयोग करते थे।

फर्जी पासपोर्ट और वीजा का विवरण:-

गिरफ्तार नाइजीरियन नागरिक के पास मूल पासपोर्ट नहीं है और नाइजीरियन नागरिक के द्वारा पासपोर्ट और वीजा के बाबत दी गयी जानकारी व ओवर स्टे ट्रैकिंग सिस्टम IVFRT eFRRO पोर्टल से प्राप्त जानकारी अलग- अलग है.

कठिनाई का सामना करना पड़ा:

- पुलिस के पास न तो कोई फोटो थी और न ही कोई वास्तविक नाम था।
- अज्ञात आरोपी अपनी पहचान छिपाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबर और अलग-अलग व्हाट्सएप अकाउंट
  का इस्तेमाल कर रहे थे।
- बड़े पैमाने पर नाइजीरियन नागरिक चिन्हित क्षेत्र में रह रहे थे।

दमन साइबर पुलिस ने एक और सुराग खोजा, जिसमे दिल्ली से फैल रही साइबर धोखाधड़ी की गहरी जड़ो का पता चला इन साइबर धोखाधड़ी के अपराधो मे नाइजीरियन नागरिक शामिल हैं, जो निर्दोष भारतीय नागरिकों की मेहनत की कमाई को ऐसे चालाकी स्तर के सफेदपोश अपराधों के माध्यम से लूट रहे हैं।

10
AT M Card
13
Sim Card
12
Mobile
01
Courier
06
Dongle
01
Cheque Book
(HDFC Bank)
01
Pass Book
(Axis Bank)